



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 87]
No. 87]

नई दिल्ली, बुधवार, प्र० 24, 1991/वैशाख 4, 1913

NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 24, 1991/VAISAKHA 4, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वार्षिक अधिकार

(आयात आपात नियंत्रण)

आयातिक सूचना सं. 146-आई टी सी (पी.एन.)/90-93

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1991

विषय :—जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओई सी एफ.) द्वारा विस्तारित तमिलनाडु विधुत बोर्ड की वेसिन विज ग्रैम टरबाइन परियोजना के क्रियान्वयन के लिए 11.450 विलियम येन के लिए 27-3-90 के येन क्रेडिट ऋण सं. आई टी पी-82 के अन्तर्गत उपकरण और सेवाओं के आयात के अंतर्गत में लाइसेंसिंग शात्रे।

काल सं. आई टी/23(71)/90-93 :—जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओई सी एफ.) द्वारा विस्तारित तमिलनाडु विधुत बोर्ड की वेसिन विज ग्रैम टरबाइन परियोजना के क्रियान्वयन के सिए 11.450 विलियम येन के लिए मेन क्रेडिट ऋण के अन्तर्गत उपकरण और सेवाओं के आयात की लाइसेंसिंग शात्रे पर लागू होने वाली शात्रे इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में वी गई हैं जिन्हें सचिनार्थ अनुमति दिया जाता है।

श्री आर. महता, मुख्य नियंत्रक आयात-नियंत्रि

वाणिज्य संकालन की सार्वजनिक सूचना सं. 146-आई टी सी (पी.एन.)/90-93, विमानक 24-4-91 का परिशिष्ट

जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओई सी एफ.) द्वारा विस्तारित तमिलनाडु विधुत बोर्ड की वेसिन विज ग्रैम टरबाइन परियोजना के क्रियान्वयन के लिए 11.450 विलियम येन के लिए 27-3-90 के येन क्रेडिट ऋण सं. आई टी पी-82 के अन्तर्गत उपकरण और सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंसिंग शात्रे।

खण्ड-1 सामान्य शात्रे

1(1) तमिलनाडु विधुत बोर्ड (टी.एन.ई.वी.) की वेसिन विज ग्रैम टरबाइन परियोजना की आयात आवश्यकता के विलान के सिए जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओई सी एफ.) द्वारा प्रदान किये गये 11.450 विलियम येन का ऋण जापान और विकास-शील देशों जिनमें भारत और ओ.ई.सी.सी. के मानी सदस्य देश शामिल हैं, के लिए उपलब्ध है। तदनुसार, इस क्रेडिट के अधीन अधिकार की जाने वाली वस्तुएँ और सेवाएँ जापान और अनुबंध-1 की सूची में उपलब्ध सभी देशों से (भारत सहित) आयात की जा सकती है। ये देश इस ऋण के अन्तर्गत पाल और देने होंगे।

1(2) क्रेडिट के अधीन देवल उभी भवीं और उसी मूल्य के लिए आवश्यक जाती किए जा सकते हैं जिसके लिए यहाँनिवेशालय रोकलीकी विकास वृजीता पान समिति द्वारा विदेश रूप से भिकासी कर वी गई हो।

इस फ्रेडिट के ग्रधीन जारी किए गए आयात लाइसेंस का मूल्य 12,595 बिलियन येन (लागत धीमा भाड़ा) से प्रतिक नहीं होता चाहिए।

आयात लाइसेंस का रूपये में मूल्य राजस्व विभाग (सीमाशुल्क) द्वारा प्राधिकारित विनियम दर और प्रायात लाइसेंस भारी करने की नियम को प्रत्यक्षित दर और मूल्य विवरक आयात-नियमित द्वारा जारी की गई सार्वजनिक सूचना में 75-आई टीसी (पी-एस)/74, विवाक 8 जून, 1974 के पैरा-2 के अनुसार आयात लाइसेंस में सक्रियक दर पर निर्धारित किया जाएगा, जिसमें यह उल्लेख हो कि भीमाशुल्क प्राधिकारी और विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी आयात लाइसेंस (मो) में विनियमित मुद्रा विनियम दर पर मूल्य को लाइसेंस मूल्य के तरे जारीगा। लाइसेंस पर एक शीर्षक “जारी येन जृण में, आई की पी-62” होगा। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस में “एम/जी मी कोड होगा। यह झोड़ तमिलनाडु विद्युत बोर्ड लाइसेंस भेजने समय मूल्य विवरक, आयात-नियमित के पद्धति में भी बुहराया जाएगा। जिसकी एक प्रति वित्त मंत्रालय प्राधिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को पृष्ठांकित की जानी चाहिए।

(3) तमिलनाडु विद्युत बोर्ड के पक्ष में आयात लाइसेंस केवल लागत-धीमा भाड़े के आधार पर जारी किये जा सकते हैं।

(4) आयातक की सुविधा पर निर्भर करते हुए एक से भ्रष्टिक आयात लाइसेंस इस फ्रेडिट के ग्रधीन जारी किए जा सकते हैं। नेकिन, कुल मूल्य 12,595 बिलियन (लागत धीमा भाड़ा) येन में प्रतिक नहीं होना चाहिए जैसा कि ऊपर पैरा (2) में कहा गया है।

(5) आयात लाइसेंस की वैधता में आयातक द्वारा आवेदन करने पर 12 महीनों की और आगे की प्रतिधि के लिए बृद्धि दी जा सकती है। आगे और बृद्धि करने के लिए/मात्रा आयात लाइसेंस जारी करने के लिए यदि कोई आवेदन हो तो उसे प्राधिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।

(6) फ्रेडिट के ग्रधीन “वित्तवान” किये जाने वाले आयात/आयात लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा विधिवत् मत्थापित संलग्न माल और सेवाओं की सूची तक प्रतिवर्धित है।

(7) विदेशी मुद्रा के किसी भी परेशण की अनुसति आयात लाइसेंस के प्रति महीने दी जायेगी। भारतीय प्रभिकर्ता के कामीशन के प्रति कोई भी भुगतान भारतीय प्रभिकर्ता को भारतीय रूपये में किया जाना चाहिए। नेकिन ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के द्वी भाग होंगे और लाइसेंस पर ही प्रभारित किये जायेंगे।

(8) एके आदेश अनुबन्ध-1 में उल्लिखित देशों में स्थित विदेशी संभरकों को जहाज पर्यन्त विशुल्क लागत धीमा-भाड़ा/लागत और भाड़ा मूल्य के आधार पर दिये जाने चाहिए और वे आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों की प्रतिधि के भीतर प्राधिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेज दिये जाने चाहिए। धीमा-प्रभार का भुगतान भारतीय रूपये में आरत में देय होता है, तो वह अनिवार्य नहीं होता चाहिए जो कि भारतीय रूपये में छुकाना चाहिए।

(9) भार महीनों की प्रतिधि के भीतर टेकों को इस शर्त का तब तक अनुपालन किया गया नहीं समझा जायेगा जब तक कि टेकों के पूर्ण वस्ताविक आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से छार महीने के भीतर विस मंत्रालय प्राधिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को नहीं पहुंच जाने हैं। यदि उपर्युक्त पैरा (8) में यथा-उल्लिखित एके आवेदन भार महीनों के भीतर वैध कारणों से नहीं दिये जा सकते

हैं तो भार महीनों के भीतर आदेश क्यों नहीं दिये जा सकते इन कारणों का उल्लेख करने हुए लाइसेंसधारी को आयात लाइसेंस को संबंध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत कर देना चाहिए। आदेश देने की प्रवधि में बृद्धि के लिए ऐसे आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पात्रता के आधार पर विचार किया जायेगा। वे प्रतिक से भ्रष्टिक भार महीनों की और प्रतिधि के लिये बृद्धि प्रदान कर सकते हैं। नेकिन यदि वृद्धि इस लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 8 महीनों से भ्रष्टिक के लिए मात्री जारी है तो ऐसे प्रभाव विप्रवाद द्वारा साइरेंस प्राधिकारियों द्वारा विवरक भारतीय व्यापारी आयात लाइसेंस, नार्थ ब्लाक, तर्फ विलीनी को भेजे जायेंगे जो कि ऐसी बृद्धि के लिए प्रत्येक मामले की पात्रता के आधार पर विचार करेंगे और अपना निर्णय लाइसेंसधारी को भेजेंगे। जिसको वे लाइसेंसधारी को प्रेसिन करेंगे। लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से केवल ऐसी बृद्धि प्राप्त करने वाला एक पत्र प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और विभागीय प्राधिकारी आयात लाइसेंस के ग्रधीन किये गये संभरण टेकों को पूर्ण करने के संबंध में सख्त-पक्ष स्पष्टित करने के लिए प्राधिकार पत्र और सूची रूपये अमा करने प्राप्ति की स्थीकृति आदि की मूल्यांकनों की अनुमति देंगे।

(10) आयात लाइसेंस की समाप्ति वे भार महीने के भीतर मात्री भुगतान पूर्ण कर देने चाहिए। माल के पोतलवाल पर भलग-भलग भुगतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। ऐसे में नकद आधार पर अर्थत् पोतलवाल वस्ताविकों के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। विदेशी संभरक में भारतीय आयातक की किसी भी किसी भी रूपये मूल्य भुगतान उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जायेगी। माल के विवरण की व्यवस्था के लिए ऐसे में निम्नलिखित व्यवस्था होनी चाहिए:—

“भाल्लन्नत्र की प्राप्ति के बाद —————— महीने परन्तु प्रधिक से प्रधिक —————— के अन्त तक पूर्ण किया जाना है।

पोतलवाल के लिए आदिरी तिथि निश्चित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह तिथि 31-10-1994 के बाद की नहीं।

गण्ड 15—संभरण टेकों का समझौता करने समय छयान में रखी जाने वाली विशेष बातें।

(1) टेको का जहाज पर्याप्त निःशुल्क/लागत धीमा भाड़ा मूल्य येन में (येनकी भिन्न के लिए) अधिष्ठक्त होना चाहिए और भारतीय अधिकर्ता का कामीशन यदि कोई हो, तो वह अनिवार्य नहीं होना चाहिए जो कि भारतीय रूपये में छुकाना चाहिए।

(2) इह की रूपये से वित्त पोषित किए जाने वाले सभी भाल और सेवाओं को अधिप्राप्ति के अंतर्गत अधिश्रिप्ति के लिए भार्ग वशंन विशुल्कों के अनुसार विवरणित सम्पूरक शर्तों के साथ की जाएगी:—

- (क) कम में कम 500 बिलियन येन के अनुमति; मूल्य के माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में:—
- (1) यदि पूर्ण अंहन महिने अंपाल्लिक रूपये अनुराङ्गिय प्रधिविदा से गिर अधिप्राप्ति लियाजिति अपनाने का प्रस्ताव है तो अधिप्राप्ति की पढ़ति के अनुदान के लिए ओ.ई.सी.एफ. को आवेदन पत्र प्रस्तुत करने उसमें पूर्ण अनुमोदन प्राप्ति दिया जाएगा।
- (2) सफल बोलीकार की निर्णय का नोटिस जारी करने से अपने बोली सूची की रिपोर्ट सहित निर्णय के अनुमोदन के

अनुमोदन के लिए आवेदन पत्र और ई.सी.एफ. को अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। निर्णय और बासी मूल्यांकन के अनुमोदन के लिए उपर्युक्त आवेदन पत्र के साथ-साथ पूर्व अधिकारी को मूल्यांकन रिपोर्ट, बोल्ड-कार्डों को लिए गए नोटिस और अनुदेश बोल। प्रपश्च, प्रस्तावित ठेका विधिविभाग और इश्य और ब्रीनों में संबंधित अन्य दस्तावेज आई.सी.एफ. को भी पुनरावृत्ति के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

(क) **500 रिपोर्ट** में ज्ञात कथा— अनुमोदन मूल्य के मान और दस्तावेजों को अधिविभाग के मामले में टेके के निर्णय के लिए और ई.सी.एफ. के पूर्व अनुमोदन को अवश्यकता नहीं है अबतक कि निविदाओं के लाल लार्क-तपत रूप से विवाहित हों। लेकिन यदि और ई.सी.एफ. अनुरोध करते तो विधिविभाग मूल्यांकन रिपोर्ट आदि उपर्युक्त उत्तरांश के लिए प्रस्तुत की जाएगी।

(ग) प्रायोनक उपर्युक्त क(1), क(2), (घ) में उल्लिखित आवेदन पत्र/दस्तावेज आधिकारिक कार्य विभाग को दो प्रतियों में प्रस्तुत करेगा जो उपर्युक्त दस्तावेज और ई.सी.एफ. को भेजे जाएंगे।

2(3) विवेणा नमूनक को निम्नान उत्क गम में बैक अक्षयहिता, टांकियों द्वारा 1989-90 के लिए और ई.सी.एफ. येन केल्टिक (परियोजना सहायता) में, आई.टी.पी.-63 के अधिकारी योगी और अपरिवर्तनीय साधनाव क भवित्वमें किया जाना चाहिए। जिसका घोषणा नं.के खण्ड-7 में विद्या गता है।

2(4) संभरक की प्रक्रिया

संभरक पत्र ज्ञात देशों के राष्ट्रिक या पाल ज्ञात देशों में नामिल किए भए तथा पंजीकृत किए गए वैध अधिकारी होंगे और पाल ज्ञात देशों के राष्ट्रिकों से निर्भरित होंगे।

2(5) अपवृक्षान देशों से अनुमेय आयात

जिन अनुमोदों में अपाल ज्ञात देशों में बर्नी हुई सामग्री निर्वात है उसके लिए वित्तानन किया जानकारी है वहाँ कि निम्नलिखित मूल्य के अनुसार ऐसे उत्पाद को प्रति यूनिट का मूल्य मववार आवार पर आयातिन भाग के 50% से कम हो।--

आयातिन लागत दस्तावेज मूल्य + आयात मूल्य $\times 100$

संभरक का जहाज पर्वत नियूलक मूल्य

(भारतीय संभरकों के संबंध में एक्स-फैक्टर, मूल्य अपनाया जाएगा)

2(6) संविदा में घोषणा

प्रत्येक संविदा में संभरक द्वारा माल एवं संभरक को प्राप्ती और संभरक के हम्मात्राएँ और तारीख में निम्नलिखित घोषणा जारी जाएगी--

"मैं, अधिकारीहस्ताक्षर, एतद्वारा प्रमाणित करता हूं कि संसरित किया जाने वाला माल (संसिद्धि पात्र ज्ञात देश का नाम) में उत्पादित है।"

"मैं, अधिकारीहस्ताक्षर, आगे यह प्रमाणित करता हूं कि मेरी पूरा ज्ञानकारी और विषयालय के अनुसार पत्र ज्ञात देशों से आयातिन भाग निम्नलिखित मूल्य के अनुसार 50% से कम है।--

आयातिन लागत दस्तावेज मूल्य + आयात मूल्य $\times 100$

संभरक का जहाज पर्वत नियूलक मूल्य

(जहाँ पर्शा फैक्टर, मूल्य लागती)

मैं, अधिकारीहस्ताक्षर, एतद्वारा प्रमाणित करता हूं कि (कल्पना का नाम) पात्र ज्ञात देशों का नाम से समाविष्ट

चौर पंजीकृत है और (संबंधित पाल ज्ञात देशों का नाम) के राष्ट्रियों द्वारा नियंत्रित है।"

बण्ड—3 संभरण ठेकों में निम्नलिखित भवानिष्ट की जानेवाली शर्तें—

3(1) संभरण ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान विशेष रूप से समाविष्ट होने चाहिए।

(क) ठेके की व्यवस्था भारत सरकार और जापान की विवेणी आधिकारिक पत्रोंमें नियंत्रित (ओईसीएफ.) के बीच बेसिन ब्रिज नैम टरेक्टाइल परियोजना के लिए येन ट्रेक्टिट में आई.टी.पी.-63 (परियोजना सहायता) से संबंधित 27 मार्च, 1990 को हुए अृण भवभौतिके अनुसार होनी चाहिए और वह भारत सरकार और विदेशी आधिकारिक नद्योग नियंत्रित के अनुमोदन के अधीन होगा।

(ख) संभरकों को भूगोल, भारत सरकार और जापानी विदेशी आधिकारिक मद्यांग नियंत्रि (ओईसीएफ.) के बीच येन केल्टिक में, आई.टी.पी.-63 से संबंधित 37-3-90 को हुए कृष्ण भवभौतिके अंतर्गत बैक आफ इंडिया, टांकियों द्वारा जारी किए जाने वाले अपरेवर्टनीय भाव एवं आधिकारिक नाम से किए जायेंगे।

(ग) संभरकों को भूगोल, भारत सरकार और जापानी विदेशी आधिकारिक मद्यांग नियंत्रि (ओईसीएफ.) के बीच येन केल्टिक में, आई.टी.पी.-63 से संबंधित 37-3-90 को हुए कृष्ण भवभौतिके अंतर्गत बैक आफ इंडिया, टांकियों द्वारा जारी किए जाने वाले अपरेवर्टनीय भाव एवं आधिकारिक नाम से किए जायेंगे।

(घ) 2(7) में उल्लिखित प्राप्त में प्रमाणपत्र (तान प्रतियों में)।

(इ) यदि किसी समस्त में संभरक जापान से स्थित हो तो संभरक मंविदा के संबंध में एक द्वारा होनी चाहिए कि जापानी संभरक भारतीय यूनिवास टांकियों के परामर्श पर पौस परिवहन अवस्था करने के लिए सहमत है और एक उत्तराय के लिए यह भारतीय यूनिवास टांकियों को शामिल भाव को सुपुर्वीकृत कराएगा। और पौलनवाल से कम से कम 6 सप्ताह पूर्व भारतीय हृषीकाश को सूचित करेगा जिसके कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष मामलों में जहाँ भारतीय आयातिन इच्छाक हो, सूचिता की इय व्यवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक को प्रत्येक पौलनवाल के परामर्श आवाहक घोरे देते हुए नार में सूचिता भेजने के लिए शहमत होना चाहिए और उसका एक प्रति भारतीय यूनिवास टांकियों को भेजा जाना चाहिए।

खण्ड 4 ओईसीएफ. द्वारा ठेके देने की पुनरीक्षा

4(1) लाइसेंसधारी की एके की घोषणा देने के लिए निर्धारित अवधि के अंतर भारतीय और विवेणी संभरकों दोनों द्वारा विधिवित इस्लाक्षित ठेके की जारी प्रतियों जो विवेणी संभरकों द्वारा विधिवित में पुष्ट आदेण के गाय द्वारा या उनकी प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियों संगत वैध आयात लाइसेंस की यो फोटो प्रतियों सहित आर अनुवन्ध-2 के मत्र में "प्राधिकार पत्र" जारी करने के लिए प्रावेदन की दो प्रतियों आधिकारिक कार्य विभाग की मेजनी चाहिए।

4(2) उपर्युक्त विधिविभाग ठेकों की विवरणसम्बन्ध में उसकी कीमतों में होने वाले ऐसे सभी संशोधनों पर भी जाग दी जिनके कारण अनिवार्य अप से आणोधन करने वाले।

4(3) वित्र मंजालय (आधिकारिक कार्य विभाग) ठेके की एक प्रति के साथ ठेके के नियंत्रण का नोटिस समीक्षा के लिए ओईसीएफ. की भेजेगा। आयात लाइसेंस की फोटो कारी और "प्राधिकार पत्र

जारी करने के लिए "प्रावेदन" की प्रति सहित ठेके के निर्णय के नोटिस और ठेके की एक-एक प्रति आधिक कार्य विभाग भारतीय द्रष्टव्याम, टोकियो और सो.ए.ए.एच.ए के कार्यालय को भेजेगा।

खण्ड 5 विदेशी संभरकों को भुगतान साथ पत्र किया विधि

5(1) वित्त मंत्रालय, आधिक कार्य विभाग से ठेके के निर्णय का नोटिस, और ठेके के दस्तावेज प्राप्त होने पर, गहराया लेखा तथा लेखा परीक्षा नियमक बैक संभरक बैक घाफ़ इडिया को टोकियो आधा को संभवित संवत्तन अनुबन्ध-3 में दिए गए प्रपत्र में एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा जिसमें बैक घाफ़ इडिया की टोकियो बैंच संबोध विदेशी संभरक के नाम में संवत्तन अनुबन्ध-4 (आयातों के लिए) के प्रपत्र में या अनुबन्ध 5 (सेवाओं के लिए) के प्रपत्र में एक अनुचितनीय मालापत्र लेखेगा। प्राधिकार पत्र की प्रतियोगी ही सी एक भारतीय द्रष्टव्याम टोकियो भारत में आयातक के बैक, आधिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) वित्त मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाएगी।

5(2) प्राधिकार पत्र मिलने पर भारतीय बैक, टोकियो अनुबन्ध-4 (वास्तविक आयातों के लिए लागू होता है) या अनुबन्ध 5 (सेवाओं के लिए लागू होता है) के अनुसार संभवित विदेशी संभरकों के नाम में अपरिवर्तनीय मालापत्र की स्थापना करेगा और उसकी एक प्रति विदेशी आधिक सहयोग निधि (ओई सी एफ), भारतीय द्रष्टव्याम टोकियो, भारत में आयातक के बैक और सहयोगा लेखा एवं लेखा परीक्षा नियमक को भी देंगे।

सो.ए.ए.ए.ए.ए. से प्राधिकार पत्र के आधार पर साथपत्र छोलने के लिए उपर्युक्त क्रियाविधि संविदा संशोधन या अन्यथा के लिए आवश्यक समझे जाने वाले ऐसे सभी प्राधिकार पत्र/साथपत्रों के संशोधन पर स्वतः लागू होती है।

5(3) माल का पोलिशन करने के बाद विदेशी संभरक अपने बैंकरों के माध्यम से साझेपत्र में उत्सवित दस्तावेज बैक घाफ़ इडिया टोकियो को प्रस्तुत करेगा। दस्तावेज व्यवस्थित पाए जाने पर बैक घाफ़ इडिया, टोकियो वस्तावेजों में उत्सवित धनराशि की विदेशी संभरक को उसके बैंकरों के माध्यम से रिहा करेंगे और उसके बाद आयातों की लागत की धनराशि की प्रतिरूपित विदेशी आधिक सहयोग निधि से प्राप्त करेगा। ठेका मूल्य के 1/10 प्रतिशत (0.1%) के बराबर धनराशि प्राप्त होने पर विदेशी आधिक सहयोग निधि बचनबद्धता पत्र जारी करेगा विदेशी आधिक सहयोग निधि द्वारा स्वयं अपने अण/निधियों से इस धनराशि का भुगतान किया जाएगा। विदेशी आधिक सहयोग निधि से या सहयोगा लेखा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय से भुगतान की सूचना मिलने पर आयातक को इस बचनबद्धता पत्र के प्रभार के बराबर रूपया भारत सरकार के लेखे में जमा करना होगा। आयातक को जालू बर्णों पर विदेशी आधिक सहयोग निधि के भुगतान की सारी बातें लेकर रखें जमा करने की तरीख सक (दोनों सार्वतों को मिलाकर) के ब्याज का भी भुगतान करना होगा।

आयातक डाग प्रतिरूपि प्रतियो के अंतर्गत भी 0.1% का इसी प्रकार का खने नृपाया जाना है।

5(क) साथ पत्र खोलने उनके अधीन संवन्देन करने और विदेशी संभरक के बैंकर के प्रभार, यदि कोई हो, तो वे आयातक संभरक द्वारा बहन किए जाएंगे। आयातकों द्वारा आयातों के लागत के भुगतान की विधि से ओ.ई.सी.एफ. द्वारा विदेशी संभरक की अद्वायी की विधि तक की अवधि के लिए गणना करके बैक घाफ़ इडिया, टोकियो को देय व्याज प्रभार का भारत सरकार के लेखे की प्रभास्ति किए जिन माध्यम बैक प्रणाली के माध्यम से भारत में संबंध आयातकों वे बैंक द्वारा बैंक घाफ़ इडिया, टोकियो की द्वारा भुगतान किया जाए।

5(5) प्रतिपूति क्रियाविधि

भारतीय संभरकों में माल घाँट सेवाओं की बौद्धी के लिए अण की रकम की संवरण के लिए क्रियाविधि अण समर्पिते मध्य अनुपूर्वि क्रियाविधि के अनुसार होती।

खण्ड—6 रूपया नियोग करने के लिए उत्तरदायित्व

6(1) बैक घाफ़ इडिया, टोकियो संगत प्राधिकार पत्र के परिषिष्ट में सकेनिक अनुसार आयातक के प्राधिकृत बैंकर को पराक्राम्य पोत परिवहन दस्तावेज रिचार्ज बोनस से देते हैं; भारतीय रिचार्ज बैंक नई इन्विटी या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी दिल्ली में रूपया नियोग कर दिया गया है। विदेशी संभरक को किए गए ये भुगतान के समतुल्य रूपये पर व्याज प्रभार प्रथम 30 दिन के लिए 12 प्रतिशत प्रतिवर्ष है और अधिक अवधि के लिए 14% प्रतिवर्ष है, पर विदेशी संभरक को बैंक घाफ़ इडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की विधि से वास्तविक रूप में रूपया जमा करने की विधि सक का हिस्त लगाकर व्याज सार्वजनिक सूचना 31-प्राईटी टी एन (पी एन)/83, दिनांक 10-8-1983 के अनुसार मूल भुगतान के साथन्साय व्याज प्रभार भी सरकारी सेवे में जमा करना है। यह भी नोट किया जाना चाहिए कि व्याज दोनों दिनों वे लिए अवधि जिस विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और जिस दिन सरकारी सेवे में रूपये जमा किया जाता है देय है। देयांग सार्वजनिक सूचना सं. 1031-प्राईटी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 और सार्वजनिक सूचना सं. 31-प्राईटी सी (पी एन) 83, दिनांक 10-8-1983 द्वारा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74-प्राईटी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74।

संभरक को किए जाने वाले भुगतानों की राशि और तारीख का सुनिश्चय करने के लिए आयातक को अलग से व्यवस्था करनी चाहिए। बैक घाफ़ इडिया, टोकियो से आयातक के बैंक द्वारा पोल-परिवहन आदि दस्तावेजों की देवी या लिमिट से प्राप्ति को रूपया नियोग पर लगाने वाले व्याज की आधिक या पूर्ण धनराशि को ममाल करने का कारण नहीं माना जाएगा।

विदेशी संभरक को किए गए ये भुगतान के समतुल्य रूपये की गणना करने के लिए अपनाई जाने वाली विनियम की दर भुगतान की तारीख को लागू विनियम की दर होगी जो सार्वजनिक सूचना सं. 113-प्राईटी सी (पी एन)/88-91, दिनांक 6-4-89 में निर्धारित तरीके के अनुसार नियिति की गई हो। अथवा जो मुख्य नियंत्रक आयात-नियात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिचार्ज बैंक के मुद्रा विनियम नियंत्रण परिपक्वों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर शोधित की गई हो।

इस संबंध में और व्याज की दर के संबंध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। यह मूलिनियम करना भारतीय रिचार्ज बैंक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि आयातकों को आयात दस्तावेज सौपने से पहले सरकारी द्वारा विनियम प्रकार से जमा कर दी है। आयातक को भी यह मूलिनियम करना आवश्यक होगा विनाशकों से दस्तावेज लेने से पहले सरकारी द्वारा विनियम प्रकार से जमा कर दी गई है। यह मूलिनियम करने के लिए आयातक की ताक भी जिम्मेदारी होगी जब वे विनेप परिवर्तियों के अस्तगत सीमाशुल्क प्राधिकारियों से माल की सुपुर्दगी प्राप्त करते हैं। यदि आयातक सरकार को देय धनराशि को माल की की सुपुर्दगी नेने से पहले जमा नहीं कर पाता तो आगे के सिए उसे प्राधिकार पत्र देना बहुत कर दिया जाए और मामले की रिपोर्ट मुख्य मियंबंध आयात-नियात को दी जाए ताकि ऐसे आयातक को आगे और आयात लाइसेंस जारी न किए जाए। जिस लेखा एरिं में उर्युम्

रूपया मिलेप किया जाएगा वह "क" डिपोजिटस एण्ड ऐडवान्सिंज—8443—सिविल डिपोजिटस—डिपोजिटस फार परलेजिंग एटसदा भ्राह्मा परसेज अण्डर कॉर्पोरेशन लोन एपीमेंट्स" लोन फोम दि गवर्नमेंट आफ जापान 11.450 विलियन येन श्रेष्ठिं सं. श्राई ई पी—62 फार दी बेसिस त्रिं गेम टराइल्स प्रोजेक्ट आफ टी एन ई औ होना चाहिए।

6(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ इंडिया, नीस हाशारी, विल्सी में चालान के ऊपर दाहिनी ओर कोने में कोड सं. 5130000009 का संकेत देते हुए सरकार के खाते में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचनाओं में यथानिर्धारित नर्सीके से जमा होना चाहिए।

6(3) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी मार्ग किए जाने के बाव भास विनों के भीतर भारत में आयातक का संबंध बैंक भी ऊपर निर्धारित नर्सीके से वह अतिरिक्त धनराशि सेवा बार्जों के निमित्त भेजेगा जो [वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा भासी जाए। आयातके के विभिन्न कालामों को भरते समय आयातको को इस बात का सुनिश्चित कर लेता चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 132—श्राई टी मी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971 के वेरा 2 में निर्धारित सूचना चालान के कालम "धन परेशन और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण व्योरे" निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए—

- (क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पव्व की संस्था और विनोंक।
- (ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निलेप किए जाते हैं।
- (ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि।

उसके पश्चात सी.ए.एण्ड.ए. द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पव्व का समर्थ देते हुए और बीजक तथा पील परिवहन दस्तावेजों को संलग्न करते हुए बजाना चालान रूपया जमा करने का माध्यम देते हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी.ए.ए.एण्ड.ए., को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी :—भारत में आयातके बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रूपये का निलेप भारतीय बैंक टोकियों से व्रायायनी की सूचना और पराक्रान्ती पोसलदान दस्तावेज की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया गया है और यह कि उसके तत्काल बाद सी.ए.ए.एण्ड.ए., वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) नई विल्सी को तथ्य से सूचित कर दिया गया है।

6(4) भारत में सम्बद्ध भारतीय बैंक को लाइसेंस की मुद्रा वित्तमय नियंत्रण प्रहति पर रूपया निलेपों की धनराशि का पूर्णकरण करना चाहिए और अपेक्षित "एन" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक बम्बई को भेजना चाहिए।

खण्ड—7 विविध अवस्थाएँ

7(1) आयात लाइसेंस के उपयोग करने की रिपोर्ट

आयातके बोतनवान और उसके अधीन किए गए भुगतान और शेष धनराशि के बारे में सार्वपक्ष खोलने के बाव एक भासिक रिपोर्ट सहायता नेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, पू. सी. औ. बैंक बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

7(2) संभरकों को विशेष शार्तों के बारे में सूचित करना

लाइसेंसधारी के आयात लाइसेंस में दिए गए किसी उन विशेष उपबन्धों से संभरक को प्रवर्गत कर देना चाहिए जो माल के लाने में संभरक पर प्रभाव डालते हो।

7(3) विवाद

यह समझ देना चाहिए कि लाइसेंसधारी और संभरकों के बीच बदि कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व

नहीं लेगी। भारतीय बैंक, टोकियो द्वारा किए गए भुगतान से पहले संभरक द्वारा पूर्ण की जाने वाली शर्तें अनुबन्ध—2 में "भुगतान की शर्तों" के अस्तर्गत अक्षणी तरह से स्पष्ट कर देनी चाहिए। संक्षिप्त की शर्तों में विवाद को निपटाने से संबंधित शर्तें शामिल होनी चाहिए।

7(4) भविष्य अनुदेश

आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ आड़े होने वाले किसी मामले या सभी भासियों से संबंधित या जापानी प्राधिकारियों के साथ येन क्रेडिट समझौता (परियोजना सहायता) सं. श्राई ई पी—62 के अधीन सभी आधारों की विदेशी प्रार्थिक सहयोग निवि जापान (ओ. ई. सी. एफ.) के साथ पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-साया पर यादेशों या आदेशों का लाइसेंसधारी को बुरन्त पानन करना होगा।

7(5) अतिक्रमण या उल्लंघन

उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-नियंत्रित (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्यालयी की जाएँगी।

7(6) अनुबन्धों की सूची

- | | |
|--------------|--|
| 1. अनुबन्ध—1 | पात्र स्वोत देशों की सूची। |
| 2. अनुबन्ध—2 | प्राधिकार पव्व जारी करने के लिए अनुरोध। |
| 3. अनुबन्ध—3 | प्राधिकार पव्व का प्रपत्र। |
| 4. अनुबन्ध—4 | सार्वपक्ष का प्रपत्र (आयातों के लिए लागू)। |
| 5. अनुबन्ध—5 | मालापक का प्रपत्र (सेवाओं के लिए लागू)। |

उपायन्ध—1

पात्र लोस-देशों की सूची

क. विकासशील देश और देश

(क-1) विदेश प्रार्थिक सहयोग से भिन्न विकासशील देश

1. अफीका, उत्तरी सहारा

मिल्क

मोरक्को

तुम्हीशिया

2. अफीका, दक्षिणी सहारा

अंगोला

बेनिन

बीतस्वाना

बस्न्डी

केमरोन

कैप बड़े द्वीप

मध्य अफीका गणराज्य

चाड़

कोमोरों आइलैण्ड

[कांगो, दाहामे के गणराज्य

इब्बेटोरिल गिनी (1)

इथोपिया

जाम्बिया

जाना

गिनी

आइवरी कोस्ट

केन्या

लेसोथो

लाइबेरिया

मलायासी गणराज्य

मालावी
माली
मारिटिनिया, मारिशस
मोजाम्बिक
मेंटहैलना और हेप (2)
माओ टोमो और प्रिसिपल
मेनेगल
सेविलीज
मीयरे नियोन
सोमालिया
सूडान
स्वाजीलैंड
टेरो, अफसं और हरा
टोगो
युगान्डा
तंजानिया गणतंत्र संघ
अपर बोल्टा
जाइरे गणतंत्र
जाम्बिया

4. अमरीका, उत्तरी और केन्द्रीय
बहामा
बरमूडा
बार्बडोस
बेली
कोस रीकर
क्यूबा
शामिलिकन गणतंत्र
एल सल्वादोर
गुडान्व
ग्वामाला
हेटे
होडरस
जर्मनी
मार्टिनिको
द्रिनिडाइ और टोबागो ।

पीरु
सूरीपाम
यूमरवे
5. मध्य पूर्वी एशिया
बहरीन
इरान
जोहोर
लेबनान
ओमान
सिरियाई अरब गणतंत्र
यूनाइटेड अरब अमीरात (3)
यमन अरब गणतंत्र
यमन जमादारी का श्री. प्रार. (4)

6. दक्षिण एशिया
अफगानिस्तान
बंगला देश
भूटान
बर्मा
भारत मालद्वीप
नेपाल
पाकिस्तान
श्रीलंका

7. सुदूर पूर्वी एशिया
इरनी
हांग कोंग
लामेर गणतंत्र
कोरिया गणतंत्र
माझोस
मकाओं
मलेशिया
फिलीपाइन
सिंगापुर
ताइवान
थाईलैण्ड
निमोर
वियतनाम गणतंत्र
वियतनाम जमादारी भगवंत्र

(1) गहने सेवन गिरी का प्रदेश, फरनाडो पो द्वीप सहित ।
(2) निम्नलिखित द्वीपों सहित:—ग्रास्केनियन डिरटणी एनएसेसियस्स, नाइटिनेग, गफ
(3) मुख्य द्वीप समूह, ग्रामा इरे, क्यूरा काओ, ताहा सेण्ट
3. अमेरिका उत्तरी और केन्द्रीय
बेस्टडाईज (याको) एन. अर्थात् :
क. सह-सम्बन्ध गज्य (1)
ख. आशिन (2)
4. दक्षिणी अमेरिका
भर्जटीना
बोलिविया
ब्राजील
विनी
कोलम्बिया
फाल्क लैण्ड द्वीप समूह
फ्रान्स गिरी
ग्रामा
पराग्वे

कुक द्वीप समूह
किची
गिल्वार्ट और ई.हस द्वीप
फ्रासिस पोलिनेशिया (5)
नारु न्यू कॉलोम्डिया
न्यू हिविमिस (न्यू और फ.)
नियु
पैलोकिक द्वीप-समूह (मंगुक गज्य) (6)
प.पुत्रा न्यू यिनी
सोलोमन द्वीप समूह (फ.)
टोगा
आलिस और फुसुमा
पश्चिमी सामोआ

5. प्रोप
नाइप्रस.

जिक्राल्टर

प्रीम

माला

स्पेस

तुर्की

यूरोपीय संघ

यूनाइटेड किंगडम

संयुक्त राज्य अमेरिका

उपाध्यक्ष 2

प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए

प्रावेदन-पत्र

प्रियकार

संघर्ष

सेवा मेरे

गहायता देवा तथा देवा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग,
यू. सी. ओ. बैंक ब्रिटिश, प्रथम मंजिल,
पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001.

विषय : -- ये न फ्रेडिट मं. आई डी पी (1988 के लिए
परियोजना सहायता) के शंखीन मेरे लिए किया गया है।

मद्देद्य,

उपर उल्लिखित ये न फ्रेडिट मं. आई डी (परियोजना सहायता) के विप्रीत संघर्ष के लिए जारी करने के सम्बन्ध में (बैंक का नाम) जो कि बही होता चाहिए, जो नीचे (ए) में सम्बद्ध विवेशों संभरक के नाम में साझेपत्र लोकने के लिए दिया गया है के पश्च में प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए हम आपको निम्नलिखित बड़ी प्रस्तुत करते हैं--

(क) भारतीय आयातक का नाम भीट पना।

(ख) प्रायात लाइसेंस की संख्या, विनाक और भल्य और वह तारीख जिस तक बैध है।

(ग) अधिकारित के तरीके वह सीधे क्षय पर आधारित है या औपचारिक लूपी अन्तर्राष्ट्रीय निवाप पर आधारित है। इसके मामले में कारणों सहित वह निर्दिष्ट करना चाहिए कि क्या संविदा का निर्णय उपर्युक्त तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।

(घ) माल का संक्षिप्त विवरण।

(ङ.) माल का उत्पाद देश।

(च) यदि कोई हो, तो माल में इतर खोल देशों से आयातित संघटकों का प्रतिशत।

(छ) संविदा का कुल जहाज पर्वत निःशुल्क/लागत और भाड़ भल्य (ये में में)।

(ज) यदि कोई हो, तो भारतीय एजेंट के कमीशन के छनराशि (ये में में)

(झ) वास्तविक जहाज पर्वत निःशुल्क लागत और भाड़ मूल्य (ये में) जिसके लिए प्राधिकार पत्र मांगा गया है।

(झ) यदेशी के मंदरकों के माय की गई संविदा को भवता एवं विनाक।

(ट) विदेशी मंदरक का नाम और पता।

(ठ) वे भूगतान शर्ता और संभावित तिथियाँ जिनको संविदा के अन्तर्गत भूगतान देय होंगी।

(ঢ) मुपुर्देशी को पूर्ण करने की प्रत्याधित तिथियाँ।

(ঢ) बैंक और दूषिया, दूषियों को भूगतान करने समय प्रस्तुत किए जाने वाले वस्तावेज (प्रत्येक सेट की संख्या और उनका मिपटाम दिखाते हुए)।

- (1) मूल्य द्वीप एन्टिगुआ और बिसिनिका, ब्रेनेडा, सेल्व विद्यम (सेट फ्रिस्टोफो)
- (2) भेन आइलैण्ड, बोल्डेसरन, ऐसाव तुर्क और कार्डिस और क्रिटिण वर्जिन द्वीप समूह।
- (3) अरजमन, बुर्बा, पूजीगाह, राम अल्मोदाह, शरजाह और अल्म अल खैदायन।
- (4) अधन और विभिन्न संस्कृत और अमीरा तम्सहित।
- (5) सोमाइटी आई लैण्ड समूह (ताहिनी सहित) को शामिल करने वाले आस्ट्रेल द्वीप समूह, दुआमांट-कोमिक्यर ग्रृप और मारकोस द्वीप समूह।
- (6) पैसिफिक द्वीप का ट्रस्ट प्रदेश, कारोलीन द्वीप, पार्सेल द्वीप समूह और मेरिमा द्वीप समूह (ग्राम को छोड़कर)

(वा-2) ओ.पी.ई. मी. के मद्देद्य या भवयोगी देश

- 1 अल्जीरिया
 - बोनिया
 - नीबियाई अरब गणराज्य
 - बेबोन
 - नाइजीरिया
 - इस्लेडोर
 - बैन्जुधाला
 - ईरान
 - ईराक
 - कुवैत
 - बतार
 - माउदी ग्रन्ड
 - आब्द्याबी
 - इस्लामिया
- 2 आस्ट्रेलिया
 - बेलजियम
 - कनाडा
 - ऐनमार्फ
 - फिनलैण्ड
 - कोर
 - जर्मन मंड गणराज्य
 - प्रीम
 - आइसलैण्ड
 - इटली जापान
 - जापान
 - लद्दाख भारतीय द्वीपोत्तर निष्ठ
 - न्युजीलैण्ड
 - नार्वे
 - पुर्तगाल
 - स्पेन
 - स्वीडन
 - स्विटजरलैण्ड
 - टर्की

का: ओ.ई.सी.ओ. देश

2 आस्ट्रेलिया

बेलजियम

कनाडा

ऐनमार्फ

फिनलैण्ड

कोर

जर्मन मंड गणराज्य

प्रीम

आइसलैण्ड

इटली जापान

जापान

लद्दाख भारतीय द्वीपोत्तर निष्ठ

न्युजीलैण्ड

नार्वे

पुर्तगाल

स्पेन

स्वीडन

स्विटजरलैण्ड

टर्की

- (ग) पोतलदात अनुदेश (वाहनान्तरण/पार्टिशनमेट) की अनुरूपि वंश गई है या नहीं, निशिष्ट कीजिए।
- (ग) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पा।
- (ग) यह उसी लाइसेंस के अन्तर्गत संविदा (संविदाएँ) कर दी गई है और जापानी प्राधिकारियों को अधिसूचित कर दिया गया है, यदि हाँ तो ऐसी प्रत्येक संविदा की संख्या, दिनांक और मूल्य और विसंगतालय का वह संकर्ष दिसके अन्तर्गत ओ.ई.सी.एफ को इसे अधिसूचित किया गया है।
- (द) यह साखपत्र के संबंधन और रख-रखाव के लिए बैंक आफ हडिया देकियों को देप वैक खाचे आयातक द्वारा/या संभरकों द्वारा वहां बिताए जाने हैं।
- (घ) आयातक द्वारा अन्तर्वद्धुना:--हम प्रत्येक द्वारा द्वारा निर्धारित दरीके से और दर में विदेशी संभरक को किए गए भुगतान के समतुल्य रूपों की पूरा और सही जमा करने का वजन देने हैं। प्रत्येक निशेप, माल (आयातिन मालमी) की सुपुर्दी लेने से पूर्व तरकान ही जमा करा दिया जाएगा। विदेशी संभरकों के लक्ष्यस्थित बीजक हमारे द्वारा अनुमोदित होते ही और उनको अदायगी करने ही विदेशी राष्ट्रीयता वालों की देवाओं के लिए भुगतानों के भागमें निशेप कर दिए जाएंगे और संभरकों को भुगतान कर दिया जाएगा।

उपायान्ध-3

(प्राधिकार पत्र का प्रपत्र में.)

भारत सरकार
विन संवालन
प्राधिक कार्य विभाग
मई दिनांक, दिनांक

मेवा में

बैंक आफ हडिया,
टोकियो शाका,
टोकियो (जापान)

विषय:-- येन केंचिट (परियोजना सम्मान) क्रृण करार वं. आई.ई.पी. के अधीन आयात साखपत्र-खोलने के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।

[प्रथम महोदय,

आपके बैंक के साथ दिनांक को किए गए संभरकों की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा यह संबंधन और के अनुसार संबंधी के नाम में देप बनारामी के लिए अपरिवर्तीय साखपत्र खोलने के लिए प्राधिकार किया जाता है।

2. आपके बैंक द्वारा योरो पाप्र-प्रत्येक साखपत्र के प्रति आयातक के बैंक, ओ.ई.गी.एफ, भारतीय द्रुतावान, टोकियो और हमें पृष्ठाक्रिय की जाए।

3. साखपत्र की शर्तों के अनुसार प्रारम्भ में संभरकों को भुगतान आपकी निषि में दिया जाएगा। आप ओ.ई.सो.एफ. को प्रावधानक वस्तावेज भेजकर, लिए गए भुगतान की प्रतिष्ठित का दावा नहकाल करें।

4. विदेशी संभरक की अदायगी करते समय आपके द्वारा (आयातक के बैंक के नाम व पन) न्यू-वौल्सवान वस्तावेज (विनिमय), प्रतिवित पूर्ण इन्वाइंस ऑफिसों के सैट के साथ तथा संभरक की की गई अदायगी की नामें उन्हें को सूचना, तरकाल अदायगी, यदि कोई की गई, तो उसकी प्रति वेज।

5. संभरक को आपके द्वारा किए गए भुगतान की तिथि से ग्राई.ई.टी.एफ. द्वारा आपको उसकी प्रतिपूर्ति की विधि तक के दीज के समय के लिए आपको चुकाए जाने योग्य स्वाज प्रभार भारत गवर्नर के लेखे पर प्रभाव डाले जिसके सामान्य बैंकिंग श्रोतों के माध्यम से भारत संबंधित आयातक के बक के साथ आपके द्वारा निर्णीत किए जाएंगे। बैंकों के अन्य खर्च जिसमें भाक्षपत्र खोलने रखरखाव करते और साखपत्रों के संचालन करते और भोश संबंधी दस्तावेजों के संचालन से संबंधित ग्रीर यदि कोई हो, तो विदेशी संभरकों के बैंकों द्वारा विदेशी संभरक/आयातक को ही होने पड़ेंगे और इसलिए उन्हें सीधे ही संभरक/आयातक से प्राप्त किया जाए। इस प्रकार के भुगतान की प्रतिपूर्ति का दावा ग्राई.ई.सी.एफ. से नहीं किया जाएगा।

6. ऐसे ही आपके द्वारा कोई भुगतान किया जाए और उसकी प्रति-पूर्ति आपको कर दी जाए तो उसकी सूचना निर्धारित पत्र में इस संबंधालय को भेज दी जानी चाहिए।

7. यह प्राधिकार पत्र विदेशी संभरकों के नाम में साखपत्र खोलने के नियम हैं। साखपत्र में बाद में किए जाने वाले संशोधन या प्राधिकार पत्र के मद्दे भविष्य में साखपत्र इस संबंधालय से विशेष प्राधिकार प्राप्त किए जिनमें नहीं होंगे।

8. यह प्राधिकार पत्र सक वैध २हेगा।

9. हृपया हम करार से संबंधित सभी पत्राचार और भुगतान का उल्लेख करने वाले सूचना पत्र में इस अनुवेश पत्र के शीर्ष पर दी गई संक्षेप का उल्लेख करें।

भवदीय,

(मेहरा प्रधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित:--

1. आयातक को उसके पत्र सं..... दिनांक के संबंध में।

उगसे अनुरोध है कि वे बैंकों से विभिन्न दस्तावेजों की छिलीबरी लेने से पूर्व नियमित दर पर और तरीके से अपने बंकों के माध्यम से रुपया निषेप आदि जमा करने का प्रबंध करें। यदि विशेष परिस्थितियों के कारण माल की छिलीबरी सीधे ही सीमावृक्ष और पतन प्राधिकारियों में लम्ह पोतलदात वस्तावेज भेजे जिन ही प्राप्त कर ली गई हो तो छिलीबरी लेने से पूर्व ही निशेप किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रियों द्वारा दी गई देवाओं के लिए भुगतान के भागमें से जैसे ही सम्बद्ध बीजक भुगतान के लिए अनुमोदित हो जाएं, तिशेप कर दिए जाएं। निषेप जल्दी ही और ठीक से न करने पर लाइसेंस की शर्तों में यथा उल्लिखित प्रावधानक कार्यवाही की जा सकती है।

2(1) आयातक के बैंक दिनांक के संबंध में है। यह प्राधिकार पत्र येन केंचिट के अन्तर्गत आयातों को शासित करने वाली संबंधित लाइसेंस शर्तों के तहत जारी किया गया है। लाइसेंस शर्तों और संबंधित सार्वजनिक सूचनाओं/दावेशों को देखें और आयात/विदेशी भुगतान करने समय उचित कराएं।

2(2) उसे निवेदन किया जाता है कि बैंक आफ हडिया, टोकियो वांच से वस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरक को येन भुगतान के बराबर रूपये जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को चुकाई गई बनराशि के बराबर रूपये की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 113—ग्राई.टी.सी. (पीएन)/88-81 दिनांक 6-4-89 या यस्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए के अनुसार विदेशी संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन की तिथिकृत दर पर की जाएगी। प्रथम 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत वार्षिक दर से और इससे अधिक अवधि के लिए 18 प्रतिशत वार्षिक दर से व्याज जो

कि संभरक को भूगतान की तारीख/बैक आफ ईंडिया को प्रतिपूर्ति की तारीख और जिस तारीख को ममतुल्य रूपया भारत सरकार के लेखों में जमा किया जाए। उन दो अवधियों के बीच की अवधि के लिए संयोगित करके उसे भी सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पीएन)/83 दिनांक 18-8-83 के अनुसार भारत सरकार के लेखों में जमा कराता है। अब दोनों दिनों के लिए देय है अर्थात् वह तारीख जिसको विदेशी संभरक को भूगतान किया जाता है और वह भी तारीख जिसको भारत सरकार के लेखों में रूपया जमा कराया जाता है। (जब भी इस दर में परिवर्तन किया जाए उसे सूचित कर दिया जाएगा)। यह सुनिश्चित कर नेना चाहिए कि आयातक को सीमाण्डक निकासी के लिए आयात दस्तावेजों का मूल मेट विए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जानी है।

वे धनराशियाँ या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई बिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी में चालान के दाहिनी ओर कोड सं. 5130000009 दर्शाते हुए जमा करनी चाहिए। इस संबंध में उनका आयत सार्वजनिक सूचना संख्या 184-आईटीसी (पीएन)/68 दिनांक 30-8-68—233 आई टी सी (पीएन)/68, दिनांक 24-10-1968, 132-आई टी सी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-1971 सं. 74-आई टी सी (पीएन)/74, दिनांक 31-5-1974, सं. 183-आई टी सी (पीएन)/76, दिनांक 12-10-1976 में लिए गए प्रावधानों की ओर विलाया जाता है। वह लेखा शीर्ष जिसमें रूपया जमा कराता है। 'के डिपाजिट्स एण्ड एडवांसिज 8443 सिविल डिपाजिट्स-डिपाजिट्स फार परेजिज एडसेट्रा अन्नात्र अन्दर परेजेज अंतर केंटिंग नोन एंटीमेंट' नोन काम द गवर्नरमेंट आफ जापान 11.450 विलियन येन केंटिंग (परियोजना भवायता) सं. आई. डी पी/ 62 फार. 1989-90 है।

जिन मामलों में तुल्य रूपया रिजर्व बैंक आफ ईंडिया, नई बिल्ली या स्टेट बैंक आफ ईंडिया, तीस हजारी दिल्ली में सार्वजनिक सूचना सं. 132-आईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-1971 के अनुसार नकद जमा किया जाए उन मामलों में चालान की मूल स्ट्रंग एक प्रशिलिपि उन्हें द्वारा निम्नलिखित पत्र पर भेजी चाहिए, जिसके साथ बैंक ऑफ हंडिया, टोकियो शाक्का से प्राप्त सूचना टिप्पणियों का पूर्ण विवरण देने हुए एक अप्रेण पत्र होना चाहिए।

भूम्यांत्र लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक

वित्त मंत्रालय, (आर्थिक कार्य विभाग),

बी विंग, ५वी तल, अनपथ भवन, नई दिल्ली।

जिन मामलों में तुल्य रूपया ऊपर संकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शनी हुए ही द्वारा प्रेषित करता है उम्की सूचनाएं उपर्युक्त पत्र पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामले में जमा किए गए तुल्य रूपये का पूरा रूपया इस विभाग की भेजना चाहिए।

संभरक को भूगतान की तारीख

संभरक को भूगतान करने की नियत और ऑ.ई.सी.एफ. द्वारा बैंक आफ ईंडिया, टोकियो को उसकी अदायगी की नियत के बीच की अवधि के लिए बैंक आफ ईंडिया, टोकियो को देय अब त्रिवार प्रभार बैंक सूची के माध्यम से भारत सरकार के लेखे पर प्रभाव डाले बिना बैंक आफ ईंडिया, टोकियो के साथ आपके द्वारा सीधे निर्णित किए जाएंगे।

3. नियंत्रक अर्थ विभाग-2 विदेशी आर्थिक संस्थाओं नियत टाकेटासी गोडो विडिटी, 4-1 श्रीहेमारी-1, कोमो, वियोडा-कू., टोकियो 100 जापान।

4. भारतीय दत्तावाम, टोकियो।

5. अवर मवित्र, जापान अनुभाग, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

(लेखा अधिकारी)

प्रधन मंत्री, ई.सी.एफ.ग.ल.सी.-1
अपरिवर्तनीय साखपत्र
(माल के लिए लागु)
दिनांक

सेवा में

यह साखपत्र (ऋणी) और विवेशी सहयोग नियत के बीच हुए अर्थ करार सं. दिनांक के अनुसारण में जारी किया गया है।

महोदय,

इस आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम में भेजे गए आपके पूरे बोजिक मृद्घंश के लिए आपके साइट ड्राफ्टों द्वारा उपलब्ध रकम यां संक्षेमों के लिए हमने आपके पक्ष में अपरिवर्तनीय साखपत्र सं. — छोल दिया है जो ————— (अर्थात् ये न) भी कुछ धनराशि से अधिक नहीं जिसके साथ निम्नलिखित दस्तावेज होने चाहिए:—

हस्ताक्षरित पूर्ण वाणिजिक बीजक, पीत परिवहन निवन्ध सदान विल जिसमें दिए गए आदेशों का पूरा मैट हो, और पृष्ठांकित एवं लिनित "फ्रेट एवं नोटिफिकेशन" प्रक्रित किए हुए अन्य दस्तावेज।

जिन में पोतलदान (माल के लक्षण का संक्षिप्त विवरण) को प्रमाणित करने हुए संवित्र में ————— (मदि कोई ही) के संदर्भ में ————— से ————— तक आर्थिक पोतलदान स्वीकृत है। वाहनानुसार स्वीकृत है। सदान विल ————— तक बाद की तिथि का नहीं होना चाहिए। ड्राफ्ट ————— तक लेन-देन के लिए अवश्य प्रस्तुत किए जाने चाहिए। इस अर्थ के अन्तर्गत सभी ड्राफ्ट तथा दस्तावेजों पर "अपरिवर्तनीय साखपत्र सं. ————— दिनांक ————— के अन्तर्गत आहरण किया गया और आयात संबंध सं. ————— संबंधाएं (यदि कोई ही) प्रक्रित होना चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तान्तरण नहीं है।

इस एन्डवुडारा बताते हैं कि इस क्रेडिट के अन्तर्गत और इसकी शर्तों के अनुपालन में हमारे नाम में भेजे गए सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करते पर और आदेशों को बस्तावेजों की सुपूर्वी पर विधिवत स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा रूप से उलोक न किया जाए यह क्रेडिट "यूनिफार्म कस्टर एण्ड प्रेस्टिस फार डाकूमेंटी क्रेडिट्स (1974 रिलीजन) हस्टरलेणल बैंकर आफ कामसं, पब्लिकेशन सं. 290" के अधीन है।

लेन-देन करने वाले बैंक के लिए विशेष अनुदेश।

1. उपर्युक्त अर्थ करार के अन्तर्गत विवेशी आर्थिक सहयोग नियत द्वारा जारी किए गए वस्तनबद्धता पत्र की अवस्थाओं के अनुसार विवेशी आर्थिक सहयोग नियत से अपने भूगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बावजूद वस्तन देते हैं कि हम लेनदेन करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार ड्राफ्टों की धनराशि को लौटा देंगे।

2. लेन-देन करने वाले बैंक को यह बताते हुए जैसे ड्राफ्ट और वस्तावेजों का एक पूर्ण मैट और उसके साथ एक प्रमाण-पत्र अवश्य भेजना चाहिए कि ऐसे वस्तावेज सीधे ही हवाई डाक द्वारा जारी किए गए हैं।

3. इस क्रेडिट के अन्तर्गत सभी बैंक के खर्च आयातक/संभरक के खाते से देय हैं।

भवदीय,
 (वाणिज्यिक बैंक
 द्वारा
 प्राधिकृत हस्ताक्षर
 उपायन्ध-5
 प्रपत्र नं. ३८.५८.२
 अपरिवर्तनीय साख-नल
 (सेवाओं के लिए लागू)

दिनांक :

सेवा में

यह साखपत्र (अहणी) और विवेशी आर्थिक सहयोग
निधि के बीच हुए
कागज करार सं
..... दिनांक
के अनुसरण में जारी किया गया है।
(संभरक का नाम और पता)

प्रिय महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे साम पर पूर्ण उल्लिखित
मूल्य के लिए हिताधिकारी के ड्राफ्ट एट साहट द्वारा उपायन्ध रकम
जिसकी कुल धनराशि (येन से अधिक नहीं है) के
लिए आवेदन के नाम में हमने अपरिवर्तनीय साखपत्र सं
बोल दिया है।

इसमें इसके माथ संलग्न भुगतान अनुमूली के अनुसार अपेक्षित
परिवृत्तियाँ के संबंध में डेका सं से संबंधित दस्तावेज होने
वाहिए। लेन-देन के लिए ड्राफ्ट से पहले प्रस्तुत किए
जाते चाहिए।

सभी ड्राफ्ट और दस्तावेजों पर "अपरिवर्तनीय क्रेडिट मं
के अन्तर्गत ड्राफ्ट लिखा होना चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तांतरणीय नहीं है।

हम एतदद्वारा बताते हैं कि इस क्रेडिट के अन्तर्गत इसकी शर्तों का
अनुपालन करके सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और शर्तों को
दस्तावेजों की सुपुर्दग्दी पर विवरण स्वीकार किए जाएं।

अब तक आपका स्वयं स्वयं सेवा के विवरण के अनुसार उल्लेख न किया जाए मह
क्रेडिट "यूनिकार्म" कस्टम एण्ड प्रेक्टिस फार डाक्यूमेंटरी क्रेडिट्स (1974
रिवीजन) इंटरनेशनल चैम्बर आफ कार्मस ब्रीशर नं. 290" के अधीन
है।

लेन-देन करने वाले बैंक को विशेष अनुदेश :—

1. इसमें संलग्न प्रपत्र के अनुसार (अहणी और इसके समोनीत
अधिकारी) द्वारा जारी किए गए निष्पादन के गुल विवरण की प्राप्ति
के पश्चात् इस क्रेडिट के अन्तर्गत भुगतान इसमें संलग्न शीट में
निर्धारित भुगतानों के अनुसार किए जाने चाहिए। प्रारम्भिक भुगतानों के
मानसे गें उपर्युक्त निष्पादन के विवरण के बाजाय हिताधिकारी का
विवरण अपेक्षित है।

2. ऊपर उल्लिखित अहण समझौते के अधीन जारी किए गए
सचिवालयों अनुसार विवेशी आर्थिक सहयोग निधि के
सुगतान लिखने के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम लेन-देन करने वाले
बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार ड्राफ्टों की राशि
परेक्षित करने का बताते हैं।

3. उपर्युक्त भव-1 में यथाउल्लिखित दस्तावेजों की एक प्रति
और ड्राफ्ट उनकी प्राप्ति के तुरन्त बाद ही हमें भेजे जाएंगे।

4. इस साखपत्र के अन्तर्गत बैंक के सभी जर्बे मायातकों/संभरकों
के बाते में देय हैं।

भवदीय,

वाणिज्यिक बैंक
द्वारा
(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

भुगतान अनुमूली

यह भुगतान अनुमूली हमारे साखपत्र सं का
एक अभिस्त अंग है।

1. प्रारंभिक भुगतान

धनराशि येन
जो कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है। अपेक्षित
दस्तावेज़ : हिताधिकारी का विवरण

प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : —

2. भुगतान प्रगति

सम्पूर्ण योग : धनराशि येन
जो कुल संविदा का मूल्य प्रतिशत है जिसका
भुगतान निम्न प्रकार से किया जाता है : —

देय धनराशि

प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि

पहली किस्त, येन

दूसरी किस्त, येन

अपेक्षित दस्तावेज़ :

(अहण आपका उसके मनोनीत
अधिकारी)

द्वारा जारी किए गए निष्पादन के
विवरण भी एक प्रति जिसका एक
प्रपत्र संलग्न है।

निष्पादन का विवरण

दिनांक :

संबंध :

सेवा में

(संभरक का नाम और पता)

संबंध :—अहण करार सं के अन्तर्गत
परियोजना से संबंधित के
नाम के येन के लिए द्वारा
जारी किए गए काखपत्र की सं
दिनांक (अहणी) का प्रतिनिधित्व
करते हुए में अधिकारी, और के
बीच संविदा सं दिनांक में
निहित भुगतान की शर्तों के अनुसार विवेशी आर्थिक
सहायता निधि द्वारा येन की
धनराशि (..... येन मात्र) प्राप्त करने के

लिए को प्राधिकृत करने के लिए
निष्पादन विवरण जारी करता है।

(अधीक्षी)
द्वारा
(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

विशेष घटनाक्रम :—

वास्तविक निष्पादन का विवरण इसमें संलग्न पत्र में वर्णिया जाएगा।

भुगतान शर्तें

यह भुगतान शर्तें हमारे सामग्री सं का एक अधिकृत घटना है।

1. प्रारंभिक भुगतान

धनराशि येन
कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है।

अपेक्षित वस्तावेज़ :

अंतिम भुगतान तिथि :

2. मध्यस्थ भुगतान (यदि कोई हो)

धनराशि येन
कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है।

अपेक्षित वस्तावेज़ :

प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :

3. पोत परिवहन वस्तावेजों के महे भुगतान

धनराशि येन
कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है।

टिप्पणी :—यह संलग्न शीट पोत परिवहन वस्तावेजों के महे पूर्ण भुगतान के मामलों में अपेक्षित नहीं है।

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE NO. 146-ITC(PN)/90-93

Dated : New Delhi, 24th April, 1991

Subject : Licensing conditions in respect of import of equipment and services under the Yen Credit Loan No. ID-P.62 dated 27-3-1990 for Yen 11.450 Billion for the implementation of The Basin Bridge Gas Turbine Project of the Tamil Nadu Electricity Board extended by the OECF of Japan.

File No. IPC/23(71)90-93.—The terms and conditions governing the licensing conditions for import of Equipment and Services under the Yen Credit Loan for Yen 11.450 Billion for the implementation of the Basin Bridge Gas Turbine Project of the Tamil Nadu Electricity Board extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan, are contained in the Appendix to this Public Notice and are notified for information.

D. D. MEHTA, Chief Controller of Imports & Exports & APPENDIX TO THE MINISTRY OF COMMERCE PUBLIC NOTICE NO. 146 ITC(PN) 90—93, DATED—24-4-91.

LICENSING CONDITIONS IN RESPECT OF IMPORT OF EQUIPMENT AND SERVICES

UNDER THE YEN CREDIT LOAN NO. ID-P.62 DATED 27-3-90 FOR YEN 11.450 BILLION FOR THE IMPLEMENTATION OF THE BASIN BRIDGE GAS TURBINE PROJECT OF THE TAMIL NADU ELECTRICITY BOARD EXTENDED BY THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND (OECF) OF JAPAN.

Section I—General Conditions

I(i) The Yen credit of yen 11.450 billion extended by the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the Basin Bridge Gas Turbine Project of TNEB is utilised in favour of Japan and developing countries including India and all member countries of OECD. Accordingly the goods and services to be procured under this credit can be procured from Japan and all countries (including India) enumerated in the list at Annexure-I which will be eligible countries under the credit.

I (ii) Import Licence(s) under the Credit can be issued only for such items and for such value as have been specifically cleared by the DGTIDCG Committee. The value of import licence(s) issued under this credit should not exceed yen 12.595 billion (CIF).

The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the Exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN) 74 dated the 6th June, 1974, issued by the CCI&E, which also enjoins that the Customs Authorities and the authorised dealer in foreign exchange will make debits to the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the superscription "Japanese Yen Credit No. ID-P.62". The first and second suffix to the licence code will be "SJC". This will also be repeated in the letter from CCI&E forwarding the import licence to TNEB a copy of which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Japan Section).

I (iii) Import licence(s) can be issued only in favour of TNEB on CIF basis.

I (iv) Depending on the convenience of importer more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed Yen 12.595 billion (CIF) as specified at (ii) above.

I (v) The extension of the validity of the import licence, may on application by importer, be granted up to a further period of 12 months. Any request for further extension/issue of a fresh import licence may

be referred to the Deptt. of E.A. (Japan Section).

I (vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

I (vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agent's commission should be made in Indian Rupee to the agent in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I (viii) Firm order must be placed on FOB|C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charges will be payable in India in Indian Rupees. "firm order" means purchase orders placed by the Indian Licensee on the Overseas supplier duly signed by the latter or purchase contract duly signed by both the Indian Importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I (ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I (viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licence should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be referred by the Licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communicating to the licensee. Only on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will the authorised dealers and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits of the rupee equivalent, etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

I (x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the Overseas supplier. The contract should provide for the period of delivery of goods as follows.

"..... Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end of.....".

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 31-10-94.

Section II—Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II(i) The FOB|C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II(ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the guidelines for procurement under the loan with the following supplement stipulations :—

- (a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 500 million Yen.
 - (i) Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Open International Tendering with Prequalification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.
 - (ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report shall be submitted to OECF for approval. Alongwith the above application for approval of award and bid evaluation, the evaluation report of pre-qualification, notices and instructions to bidders, bid form, proposed contract, specification and drawings and other documents related to bidding will also be submitted to OECF for its review.
 - (b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 500 million prior approval of OECF is not required for award of contract on the condition that tenders lots are divided reasonably. However, if OECF requests, the tender evaluation reports etc. will be submitted to OECF for its review.
 - (c) The application/documents mentioned in (a) (i), (a) (ii) and (b) above will be submitted by the importer to Deptt. of E.A., in duplicate, for submission to OECF.

II(iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. IFP. 62 for 1989-90 the details of which are given in Section VII below.

II (iv) Eligibility of Supplier.—The Suppliers shall be nationals of the eligible source countries, or juristic persons incorporated and registered in eligible source countries and controlled by nationals of the eligible source countries.

II (v) Permissible imports from non-eligible source countries.—Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made; provided that the imported portion is less than fifty percent (50%) of the price per unit of such products in accordance with the following formula.

$$\text{IMPORTED CIF Price} + \text{Import Duty} \times 100 \\ \text{Supplier's FOB Price}$$

(In case of Indian Supplier, Ex-factory Price shall be adopted).

II (vi) Declaration in Contract—The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

"I the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in.....(name of eligible source country)."

The undersigned, further certify that to the best of my, informations and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than fifty percent (50%) in accordance with the following formula.

$$\text{IMPORTED CIF Price} + \text{Import Duty} \times 100$$

Supplier's FOB Price

(Where applicable Ex-factory Price)

"I, the undersigned, hereby certify that—
(Name of company) has been incorporated and registered in—(name of eligible source country), and is controlled by nationals of—
(name of eligible source countries concerned)."

Section III—Conditions to be incorporated in the Supply Contracts

III (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

(a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated the 27th March, 1990 concerning the Yen Credit No. ID-P.62 (Project Aid) for Basin Bridge Gas Turbine Project.

(b) Payments to the Supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No. ID-P.62 dated 27th March, 1990 between the Government of India and the Overseas Economic Corporation Fund of Japan (OECF).

(c) The suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.

(d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II (vii) above.

(e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese Supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo, informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian importers require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section IV : Review of Contract by OECF : IV(i) within stipulated period for placement of firm orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importer and the supplier supported by order confirmation in writing by the supplier or their photocopies complete in all respects, together with two photocopies of the relevant and valid import licensee and two copies of the "Request for issue of L.A." in the form in Annexure II to the Department of Economic Affairs.

IV(ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV (iii) The Ministry of Finance (Dept. of EA) will send Notice of conclusion of Contract alongwith a copy of the contract to OECF for review. A copy each of the Notice of Conclusion of Contract accompanied by the contract will also be sent by Department of EA to Embassy of India, Tokyo and Office of CAA&A alongwith one copy each of "Request for issue of L.A." and photocopy of import licence.

Section V—Payment to the Overseas suppliers-Letter of Credit Procedure.

V. (i) On receipt of the Notice of conclusion of contract and contract documents the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, the CAA&A will issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure-III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached a Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer of the Importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V. (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V (applicable to services) in favour of the overseas suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the importer's bank in India and the CAA&A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA&A would ipso-facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V. (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of good, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt an amount equal to one-tenth per cent (0.1 per cent) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loan/funds by OECF. The importer is required to deposit into the Govt. of India account the rupee equivalent of this letter of commitment charges on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance. Interest from the date of payment to OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1 per cent is payable by the importer under the reimbursement procedure also.

V. (iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations thereunder and charges if any of overseas supplier's bankers are to be borne by the supplier/importer. Interest charge payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importer's bank in India by remittance to the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

V. (v) Reimbursement Procedure

Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian Suppliers shall be in accordance with REIMBURSEMENT PROCEDURE of the loan agreement.

Section VI—Responsibility for rupee deposit

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importer as indicated in the Appendix to relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or SBI, Tis Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. Interest

charges on the rupee-equivalents of the Yen payments calculated @12 per cent per annum for the last 30 days and @18 per cent per annum for the period in excess thereof reckoned from the dated payment by the Bank of India, Tokyo to the overseas supplier to the date of actual rupee deposit have also to be deposited alongwith the principal payment, in terms of public Notice No. 31 ITC (PN)/83 dated 10-8-83. It should be noted that interest is chargeable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas suppliers and also the day on which rupee deposit is made in Government Account vide Public Notice No. 74-ITC (PN)/83 dated 10-8-83. It should be noted that Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976, and Public Notice No. 31-ITC(PN)/83-dated 10-8-83.

The importer should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping etc. documents by the importers' Banker from Bank of India, Tokyo will not be acceptable as reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notices No. 113 ITC(PN)/88-91 dated 6-4-89 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further LAS to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import Licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances-843-Civil Deposits-Deposits for purchase etc. abroad-Purchase under credits/Loan agreements" Loan from the Government of Japan 11.450 Billion Yen Credit No. ID-P 62 for the Basin Bridge Gas Turbine Project of TNEB.

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 513000009 on the right hand

corner of the Challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices issued from time to time.

VI (iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs). While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury Challans:—

- (a) Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- (b) Amount of Yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the Rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note :—Importers Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section VII-Miscellaneous provisions

VII (i) Reports on the utilization of the import licence

The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, B-Wing, 5th Floor, Janpath Bhavan, New Delhi.

VII (ii) Notifying Suppliers of Special Conditions

The licence should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

VII (iii) Disputes

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the Suppliers before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VII (iv) Future Instructions

The licensee shall promptly comply with any directions instructions orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) no. ID-P. 62 with the Overseas Economic Cooperative Fund of Japan (OECF).

VII (v) Breach or violation

Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VII (vi) List of Annexures

Annexure-I List of eligible source countries

Annexure-II Request for issue of Letter of Authority.

Annexure-III Form of Letter of Authority.

Annexure-IV Form of Letter of credit (Applicable to imports).

Annexure-V Form of Letter of Credit (Applicable to services).

ANNEXURE I

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A. Developing Countries and Territories

(a) Non-OPEC Developing Countries

I. AFRICA, North of Sahara
Egypt
Morocco
Tunisia

II. AFRICA South of Sahara
Angola
Benin
Botswana
Burundi
Cameron
Cape Verde Islands
Central Africa Rep.
Chad

Comoro Islands
Congo, People's Republic of Dahomey
Equatorial Guinea (1)
Ethiopia
Gambia
Ghana

	Guinea	Falkland Islands
	Ivory Coast	French Guiana
	Kenya	Guyana
	Lesotho	Paraguay
	Liberia	Peru
	Malagasy Republic	Surinam
	Malawi	Uruguay
	Mali	
	Mauritania, Mauritius	V. ASIA, Middle East
	Mozambique	Baharain
	Niger	Israel
	Portuguese Guinea	Jordan
	Reunion	Lebanon
	Rhodesia	Oman
	Rwanda	Syrian Arab Republic
	St. Helena and dep (2)	United Arab Emirates (3)
	Sao Tome and Principe	Yemen Arab Republio
	Senegal	Yemen, People's D.R.(4)
	Seychelles	
	Sierra Leone	VI. ASIA, South
	Somalia	Afghanistan
	Sudan	Bangladesh
	Swaziland	Bhutan
	Terro, Afars and Issas	Burma
	Togo	India
	Uganda	Maldives
	Un. Rep. of Tanzania	Nepal
	Upper Volta	Pakistan
	Zaire Republic	Sri Lanka
	Zambia	
III.	AMERICA, North end	VII. ASIA, Far East
	Cont.	Brunei
	Bahamas	Hong Kong
	Barbados	Khmer Republic
	Belize	Korea, Republic of
	Bermuda	Laos
	Costa Rica	Macao
	Quba	Malaysia
	Dominican Republic	Phillippines
	EL Salvador	Singapore
	Guadeloupe	Taiwan
	Guatemala	Thailand
	Haiti	Timor
	Honduras	Viet-Nam, Rep. of
	Jamaica	Viet-Nam, Dem. Rep.
	Martinique	
	Meixco	VIII. OCEANIA
	Netherlands An Tilts	Cook Islands
	Nicaragua	Fiji
	Panama	Gilbert & Ellice Is.
	St. Pierre & Miquelon	French Polynesia (5)
	Trinidad and Tobago	Nauru
III.	AMERICA, North & Central	New Calendonia
	West Indies (Br.) n.i.e.	New Hebrices (Br. and Fr.)
	(a) Associated States (1)	Niue
	(b) Dependencies (2)	Pacific Islands (US) (6)
IV.	AMERICA, South	Papua New Guinea
	Argentina	Solomon Islands (Br.)
	Bolivia	Tonga
	Brazil Chile	Wallis and Futuna
	Colombia	Western Samoa
	(1) Formerly the territory of Spanish Guinea, including the island of Fernando PO.	IX. EUROPE
	(2) Including the following islands : Ascension, Tristan da Inaccessible, Nightingale, Gough.	Cyprus
	(3) Main Islands, Aruba, Bonaire, Curracao, Saba, St.	Gibraltar
		Greece
		Malta
		Spain
		Turkey
		Yugoslavia

- (1) Formerly the territory of Spanish Guinea, including the island of Fernando PO.
(2) Including the following islands : Ascension, Tristan da Inaccessible, Nightingale, Gough.
(3) Main Islands, Aruba, Bonaire, Curracao, Saba, St.

1. Main Islands: Antigua, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Christophe), Nevis-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.
2. Main Islands :Montserrat, Cayman, Turks and Caicos, and British Virgin Islands.
3. Ajman, Dubai, Fugairah, Ras al Khaimah, Sharjah and Umm al Quwain.
4. Including Aden and various sultantes and emirates.
5. Comprising the Society Islands (including Tahiti) The Austral Islands, the Tuamotu-Gambier Group and the Marquesas Islands.
6. Trust Territory of the Pacific Islands : Caroline Islands Marshall Islands, and Marine Islands (except Guam.)

(a2) Member of Association Countries of OPEC

Algeria
Bolivia
Libyan Arab Republic
Gabon
Nigeria
Ecuador
Venezuela
Iran
Iraq
Kuwait
Qatar
Saudi Arabia
Abu Dhabi
Indonesia.

B. OECD Countries

Australia
Belgium
Canada
Denmark
Finland
France
The Federal Republic of Germany
Greece
Iceland
Ireland
Italy
Japan
Luxembourg
the Netherlands
New Zealand
Norway
Portugal
Spain
Sweden
Switzerland
Turkey
the United Kingdom and
the United States.

ANNEXURE-II

REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY

No. Date:
To

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street,
New Delhi-110001.

Sub . Import of _____ from _____ under the
Yen Credit No. ID-P. _____ (Project Aid for
199—9)

Sir,

In connection with the import _____ from _____ under the above mentioned Yen Credit No. ID-P. _____ (Project Aid) we furnish the following particulars to enable you to issue the Letter of Authority to the _____ (Name of the Bank) which should be the same as given in (p) below for opening a letter of credit in favour of the overseas supplier concerned.

- (a) Name and Address of the Indian importer
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement—whether it is based on direct purchase or formal Open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods
- (e) Origin of the goods
- (f) Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB/C&F value of contract (in Yen)
- (h) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any.
- (i) Net FOB/C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
- (j) Number and date of the contract with overseas suppliers.
- (k) Name and address of the Overseas Supplier:
- (l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (m) Expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (o) Shipment instructions (indicate if trans-shipment/part-shipment permitted or not permitted).
- (p) Name and address of the importer's bank in India
- (q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No., date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
- (r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the Importers/or Supplier.
- (s) Undertaking by the importer :—

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals,

the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers."

ANNEXURE—III
(Letter of Authority Form)

No. F.

Government of India

Ministry of Finance

Department of Economic Affairs
New Delhi, the

To

The Bank of India,
Tokyo Branch
Tokyo (Japan)

Subject : Import under yen Credit (Project Aid) Loan
Agreement No. ID-P-———Issue of
Letter of Authority for opening Letter of Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 25-3-81 entered into with your Bank, hereby authorized to open irrevocable Letter of Credit for an amount not exceeding Yen———favouring M/s.———
as per attached details.

2. A copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, to the OECF Embassy of India, Tokyo and to us.

3. Payment to the supplier in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payment, you must claim immediate reimbursement of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to ——(Name and address of the importers' Banker) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned Importers bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers bankers if any, are to be borne by the Overseas Supplier/Importer and may, therefore, be recovered from the supplier/Importer directly. No reimbursement of such charge is to be claimed from the OECF.

6. As and when payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid upto———

9. Please quote the number given at the top of this letter of instructions in all correspondence relating to the contract and also in the advice showing payment.

Yours faithfully,

(Accounts Officer)

Copy forwarded to :—

1. Importer————— with reference to their letter No.————— dated—————

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2. (i) Importers' Bankers..... This has reference to import Licence No. dt.... This letter of authorisation issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen credit. The licensing conditions and connected Public Notice/order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

2. (ii). They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payments to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to overseas suppliers in accordance with the Public Notice No. 113-ITC(PN)/88-91 dated 6-4-89 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @12% per annum for the first thirty days and at the rate 18% per annum for period in excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier/date of reimbursements to Bank of India and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government Account is also required to be deposited into the Government of India Account in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83. The interest is payable for both the dates i.e. the day on which payment is made to the Overseas Suppliers and also the date on which rupee deposits is made into Government Account. (Any change in this rate will be intimated if and when made.) It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection, their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-68, 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances—8443 Civil

Deposits—Deposit for purchases etc. abroad under purchases under Credit/Loan Agreements”—Loans from the Government of Japan 11,450 billion Yen Credit (Project Aid), No. ID-P 62 for 1989-90.

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), B-Wing, 5th Floor, Janpath Bhavan, New Delhi.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

3. The Director, Loan Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Code Building, 4-1, Otemachi 1-Chome, Chiyoda-Ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

Accounts Officer.

ANNEXURE—IV

Form OECF-LC I

Irrevocable Letter of Credit (Applicable for goods)

Date :

To _____ This letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. _____ Dated _____ between (Borrower) and THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of _____ for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of _____ (Say Yen _____) available by your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents :

Signed commercial invoice in full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify" Other documents.

evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to Contract No. _____ (if any)

from _____ to _____. Partial shipments are permitted. Transhipment is _____ permitted Bills of lading must be dated not later than _____. Drafts must be presented for negotiation not later than _____. All Drafts and documents under this credit must be marked. "Drawn under _____ irrevocable credit No. _____, dated _____ and import Reference No.(s) _____ (if any) This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290."

Special Instructions to the negotiating bank :

1. After obtaining the reimbursement for our payments from The Overseas Economic Cooperation Fund in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.
2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airmailed direct to _____.
3. All banking charges under this credit are for the account of importer/supplier.

Yours faithfully,

.....
(a commercial bank)

By : _____
(Authorised Signature)

ANNEXURE—V

Form OECF-LC II

Irrevocable Letter of Credit (Applicable for Services)

Date:

To _____ This Letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. _____ dated _____ between (Borrower) and THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND.

(Name and address of the Supplier)

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of _____ (Say Yen _____) available by beneficiary's drafts at sight for full Statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accordance with the Payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. _____ with regard to _____ Project). Drafts must be presented for negotiation not later than _____.

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No....."

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special instructions to the negotiating bank:

1. After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto, payment(s) under this credit must be made in accordance with the Payment Schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments the beneficiary's Statement is required instead of the above mentioned Statement of Performance.
2. After obtaining the reimbursement for our payment from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.
3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.
4. All banking charges under this credit are for the account of the importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By :

(Authorized Signature)

PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No.....

I. Initial Payment

Amount : _____ being _____ % of the total contract price

Required documents: beneficiary's Statement

Latest presentation date:

II. Progress Payment

Aggregate amount : _____

being _____ % of the total contract price
to be paid as follow

Amount due Latest presentation

1st Instalment: _____

2nd Instalment: _____

Required document: A copy of State of Performance issued by (Borrower or its designated authority), a form of which is attached hereto.

Statement of Performance

Date:

Ref. No.

To

(Name and address of the Supplier)

Re: Letter of Credit No. _____, dated _____
issued by _____
for _____ in favour of _____
concerning _____ Project under Loan
Agreement No. _____

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby issue a Statement of Performance to entitle _____ to receive the sum of _____ (yen only) from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the Payment Terms stipulated in the Contract No. _____, dated _____, between _____ and _____.

(Borrower)

By:

(Authorized Signature)

Special Instructions:

The details of the actual performance shall be stated in the sheet attached hereto.

PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our Letter of Credit No.....

I. Initial Payment

Amount: _____ being _____ % of the total contract price.

Required documents:

Latest presentation date:

II. Intermediate Payment (if any)

Amount: _____ being _____ % of the total contract price.

Required documents:

Latest presentation date:

III. Payment against Shipping Documents

Amount: _____ being _____ % of the total contract price.

Note: This attached sheet is not required in case of full payment against shipping documents.